आंतरराष्ट्रीय बहुभाषिक शोध पत्रिका

प्रिंटिंग एरिया

Printing Area International Interdisciplinary Research Journal in Marathi, Hindi & English Languages

May 2021, Issue-76, Vol-01

Editor
Dr. Bapu g. Gholap
(M.A.Mar.& Pol.Sci.,B.Ed.Ph.D.NET.)

"Printed by: **Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.** Published by **Ghodke Archana Rajendra** & Printed & published at Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.,At.Post. Limbaganesh Dist,Beed -431122 (Maharashtra) and Editor **Dr. Gholap Bapu Ganpat.**

Reg.No.U74120 MH2013 PTC 251205
Harshwardhan Publication Pvt.Ltd.
At.Post.Limbaganesh,Tq.Dist.Beed
Pin-431126 (Maharashtra) Cell:07588057695,09850203295
harshwardhanpubl@gmail.com, vidyawarta@gmail.com
All Types Educational & Reference Book Publisher & Distributors / www.vidyawarta.com

27) कविवर कुंवर नारायण के कविताओं में राजनीतिक जीवन
डॉ. गफार सिकंदर मोमीन ||138

28) साहित्य में प्रकृति
डॉ.दीप्ति गोस्वामी, रायपुर, छत्तीसगढ़ ||140

29) वायु प्रदूषण का मनुष्य के स्वस्थ्य पर प्रभाव
डॉ० मुहम्मद मुस्तकीम, कानपुर ||144

30) जातिवाद पर डॉ. भीम राव अम्बेदकर के विचार एक अवलोकन
राजीव रंजन, नवादा ||148

31) भारतीय विश्वविद्यालयों के शिक्षकों की समस्याएं और उसका समाधान
सुदर्शन सिंह, उन्नाव ||150

32) भारत में मानव प्रवास – प्रवृतिया, कारण व प्रभाव
डॉ.के.एल.टाण्डेकर & श्री वासुदेव साहू, जिला – राजनांदगांव छ.ग. ||155

33) स्त्री सरोकारों की कविता –कात्यायनी
डॉ. गौरी त्रिपाठी, बिलासपुर, छत्तीसगढ़ ||159

34) भारतीय अर्थव्यवस्था में लघु एवं कुटीर उद्योगों का महत्व : चौधरी चरण सिंह ...
डॉ. विद्वेश कुमार, फलावदा (मेरठ) ||163

35) शिक्षकों की शैक्षणिक अभिवृत्ति एवं विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धि एक अध्ययन
शिखा त्रिपाठी, satna mp ||165

36) वर्तमान विकास एवं राजनीति में भारत चीन साझेदारी
रमेश राम, अल्मोड़ा (उत्तराखंड) ||167

37) प्राकृतिक प्रबन्धन तन्त्र
डॉ० दीपशिखा, अलीगढ़ ||176

38) मीडिया की बदलती भाषा
डॉ.जयकृष्णन. जे., तिरुवनन्तपुरम ||180

39) मतदान व्यवहार का सैद्धान्तिक विश्लेषण
गौतम, झाँसी ||182

मे निश्चित ही समस्या उत्पन्न हुई है। मानव प्रवास ने देश की अर्थव्यवस्था को भी प्रभावित किया है, सरकार ने भी इस समस्या के निराकरण हेतु समय–समय पर निरंतर प्रयास किया है, पलायन से सिर्फ समस्याऐं ही नही बढ़ी है बल्कि पलायन करने से मानव की आर्थिक स्थिति में सुधार भी हुआ है। यह भी बात सामने आयी है कि पलायन करने वालो की आय पलायन नही करने वालो की तुलना में अधिक बढ़ी है, यह कहा जा सकता है कि मानव प्रवास प्रवृति ने आर्थिक स्थिति में सुधार भी किया है, फिर पलायन को रोकना आवश्यक है, इसके लिए सरकार को विशेष प्रयास करने की आवश्यकता है, मानव प्रवास के परिणाम स्वरूप देश मे जहां अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न होती है वही दूसरी तरफ इससे अनेको–नेक प्रकार के लाभ भी उत्पन्न होते है, जो देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करते है। पलायन (मानव प्रवास) के कारण आर्थिक स्थिति मे सुधार के परिणाम स्वरूप उन पर ऋण का ...ा कम हुआ है, फिर भी पलायन को रोकना सरकार ... निर्भर है, अन्यथा यह सिलसिला चलता रहेगा।

...र्भ सूची :–

१. ग्रमीण श्रमिको का पलायन कारण एवं ...न (Review Of Research Feb – 2018)

२. छ.ग. का आर्थिक सर्वेक्षण – २०१६

३. भारतीय अर्थव्यवस्था–रुद्रदत्त सुंदरम

४. कुरुक्षेत्र फरवरी २०१२, २०१४

❑❑❑

33

स्त्री सरोकारों की कविता – कात्यायनी

डॉ. गौरी त्रिपाठी
एसोसिएट प्रोफेसर, हिंदी विभाग,
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय बिलासपुर, छत्तीसगढ़

****

कात्यायनी समकालीन हिंदी कवियो की दुनिया मे या ऐसे कहे कि समूची वामधारा की हिंदी कविता मे एक अलग ही स्वर है। वे लगातार अपने समय की त्रासद विडंबनाओ से लड़ती है । वे हमेशा समाज के बीच संघर्ष करने को सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण बताती है इनके पास स्मृतियां और कल्पनाएं जबरदस्त है जिसे वे बिंब विधानों को एक अलग तरीके की प्रतीक शैली मे अभिव्यक्त करती है –

मौत की दया पर
जीने से बेहतर है ।
जिंदा रहने की ख्वाहिश के हाथों मारा जाना।(१)

यह कात्यायनी ही लिख सकती है। अपने समय की निर्मम आलोचना और प्रतिरोधों से इन की कविता मुसलसल तो हमेशा रहती है साथ ही प्रेम, दया, दुख,उदासी, स्त्री सवाल और रोजमर्रा की जिंदगी भी शामिल है। उनकी कविता की जमीन काफी उदार है इनके लिए कविता जीवन का अनिवार्य अंग है,वे कविता को स्थगित नहीं कर सकती–

तो फिर क्यों न स्थगित कर दी जाए
कविता कुछ समय के लिए?
पर कविता स्थगित कर देने के बाद भी
क्या गारंटी होगी जिंदा रहने की
कठिन से कठिन शर्तों पर भी
आदमी बने रहने की?
और यदि बने रहेंगे आदमी
तो कैसे छोड़ेंगे कविता लिखने की आदत?(२)